चतुर केट
ग्रिम ब्रदर्स

केट नहीं चाहती थी कि वो कुत्ते को अपने हाथ से सॉसेज छीनने दें, या फिर कुत्ते का पीछा करते समय सारी बीयर ड्रम में से निकलकर बह जाए. उसे लगा कि फर्श साफ़ करने के लिए आटे का उपयोग करना एक समझदारी का काम था. उसने अपने नए पति, फ्रेडरिक को समझाया, कि वो बस उसके लिए दोपहर का अच्छा भोजन बनाने की कोशिश कर रही थी.

अगले दिन कुछ फेरीवाले उसके घर आए. जब उन्होंने केट के पीले बटनों के बदले अपने मिट्टी के बर्तन देने की पेशकश की तो केट को यह सौदा अच्छा लगा. केट ने सोचा कि यह एक अच्छा विचार था. फ्रेडरिक ने सोने के सिक्के पीछे बगीचे में गाढ़ दिए थे.

"चतुर केट" की कहानी सही मायने में "चतुर" शीर्षक के लिए उपयुक्त है. यह कहानी ग्रिम ब्रदर्स की सबसे मजेदार और जीवंत कहानियों में से एक है. युवा पाठकों को यह कहानी बहुत पसंद आएगी.

चतुर केट

ग्रिम ब्रदर्स

एक सुबह फ्रेडरिक ने केट से कहा, "मैं जुताई करने के लिए खेत पर जा रहा हूं. मैं दोपहर को भोजन के लिए वापस आऊंगा."
"मैं तुम्हारे लिए दोपहर को अच्छा भोजन तैयार रखूंगी," केट ने कहा. फ्रेडरिक और केट की एक सप्ताह पहले ही शादी हुई थी.

केट ने घर की सफाई-सुथराई की. फिर लंच बनाने का समय आया. "मैं फ्रेडरिक के लिए एक स्वादिष्ट सॉसेज बनाउंगी," उसने फैसला किया. और फिर उसने तवे पर एक सॉसेज को तलने रखा. जल्द ही पके सॉसेज में से अच्छी खुशबू आने लगी.

"इस सॉसेज के साथ कुछ ठंडी बियर अच्छी रहेगी," केट ने खुद से कहा. फिर केट एक जग लेकर नीचे तहखाने में गई.

उसने बियर के ड्रम की टोटी घुमाई और बीयर को जग में गिरते हुए देखा. "बीयर कितनी अच्छी तरह बहती है," उसने सोचा. अचानक उसने जग नीचे रख दिया.

फिर उसे कुत्ते की याद आई. केट सीढ़ियाँ चढ़कर भागी. वहाँ उसने कुत्ते को दरवाजे के बाहर भागते हुए देखा.

कुत्ते के मुंह में सॉसेज था. केट ने उसे आवाज़ दी लेकिन कुत्ता खेतों की तरफ दौड़ने लगा. केट भी उसके पीछे-पीछे दौड़ी.

जल्द ही केट की सांस फूलने लगी और
उसे रुकना पड़ा. "ठीक है," केट ने कहा.
"जो गया उसे जाने दो और भूल जाओ."
फिर केट ने अपने कंधे उचकाए और घर
में चली गई.

तहखाने में बीयर, ड्रम से बाहर बह रही थी.
जग पूरी तरह भर चुका था और बियर
उसके बाहर गिर रही थी.
फर्श पूरी तरह से गीला था.
केट ड्रम की टोटी को बंद करना
भूल गई थी.

"अरे बाप रे!" उसने यह नज़ारा देखकर कहा. "अब फ्रेडरिक क्या कहेगा?“

सॉसेज, कुत्ता लेकर भाग गया है.
बीयर का ड्रम खाली हो गया है.
तहखाने में बाढ़ आ गई है.
अब वो क्या करे? केट ने सोचा.

अटारी में एक बोरी आटा रखा था. केट ने अटारी का दरवाज़ा खोला. फिर वो आटे की बोरी को तहखाने तक खींचकर लाई.

बोरा, बीयर के जग से जा टकराया

फिर जग भी गिर गया और उसमें भरी बीयर भी ज़मीन पर फैल गई.

"अरे बाप रे!" केट चिल्लाई.

"अब फ्रेडरिक के पीने के लिए बीयर की एक बूँद भी नहीं बची है.

अब मैं क्या करूँ?"

फिर उसने सोचा, "क्या करूं, जो बह गया उसे भूल जाओ." उसके बाद उसने बोरी को खोला और आटे को तहखाने के फर्श पर बिखरा दिया.

"देखो अब फर्श कितना साफ दिख रहा है," केट ने कहा.

फिर वो फ्रेडरिक का इंतज़ार करने के लिए ऊपर चली गई. जब उसने फ्रेडरिक को आते देखा, तो वो उससे मिलने के लिए दौड़ी. "अरे, फ्रेडरिक," उसने कहा. "बड़ी बरबादी हो गई."

मैं तुम्हारे लिए कुछ बियर लाने के लिए
तहखाने में गई थी.
सॉसेज तवे पर तल रहा था,
तब कुत्ते ने उसे चुरा लिया.
मैं उसके पीछे भागी,
लेकिन कुत्ता बहुत तेजी से भागा.
जब मैं वापस आई,
तो ड्रम में बिलकुल बीयर नहीं बची थी.
सब बीयर फर्श पर फैली थी.
लेकिन चिन्ता की कोई बात नहीं है.
मैंने बीयर को आटे से ढक दिया है.
तहखाना अब सूखा है
और वहां सब कुछ साफ-सुथरा है."

"अरे, केट," फ्रेडरिक ने कहा. "ठीक है कि कुत्ता सॉसेज लेकर भाग गया और बीयर ड्रम में से बाहर बह गई. पर तुमने अच्छे आटे को खराब क्यों किया?
तुम्हें यह नहीं करना चाहिए था."

"लेकिन, फ्रेडरिक," केट ने कहा,
"मुझे यह नहीं पता था.
तुम्हें, मुझे बताना चाहिए था."

फ्रेडरिक ने सोचा, "ऐसी पत्नी के साथ, मुझे भविष्य में और अधिक सावधान रहना होगा. पहली चीज जो मुझे करनी चाहिए वह है कि मैंने जो सोने के सिक्के सहेज कर रखे हैं मैं उन्हें कहीं छिपाऊँ." उसने केट से एक बक्सा लाने को कहा.

फिर उसने कहा, "मैं इस बक्से में रखे इन पीले बटनों को छिपाने जा रहा हूं. मैं इस बक्से को गाय के शेड के पीछे ज़मीन में गाढ़ दूंगा. केट, तुम मुझ से वादा करो कि तुम उसके पास कभी नहीं जाओगी."
"मैं वादा करती हूं, फ्रेडरिक," केट ने कहा.

अगले दिन कुछ फेरीवाले घर आए. वे लोग मिट्टी के बर्तन बेच रहे थे. केट कुछ मिट्टी के बर्तन खरीदना चाहती थी. फ्रेडरिक घर पर नहीं था.

"मेरे पास पैसे नहीं हैं," केट ने कहा.

"लेकिन मेरे पति ने गाय के शेड के पीछे कुछ पीले बटनों से भरे एक बक्से को ज़मीन में गाढ़ा है. आप मुझे मिट्टी के बर्तन देकर कुछ पीले बटन ले सकते हैं."

"हम पहले उन्हें देखेंगे," फेरीवालों ने कहा.

"ठीक," केट ने कहा. "लेकिन आपको उस बक्से को खुद ही खोदना पड़ेगा. मैंने फ्रेडरिक से वादा किया है कि मैं उसके पास नहीं जाऊंगी."

फेरीवाले खलिहान में गए और उन्होंने बक्से को खोदा.

और जब उन्होंने देखा कि वो पीले बटन सोने के सिक्के थे, तो वे उन्हें लेकर सीधे भागे. वो अपने बर्तन लेने के लिए भी नहीं रुके.

केट बहुत खुश थी. "इतने सुंदर बर्तन!" उसने कहा. उसने प्रत्येक बर्तन में एक-एक छेद दिया और उन्हें रसोई की दीवार के चारों ओर लटकाया.

"ये क्या हैं?" जब वह घर आया तब फ्रेडरिक ने पूछा. "मैंने गाय के शेड के पीछे दफन बक्से के पीले बटनों के बदले में यह सुंदर बर्तन खरीदे," केट ने जवाब दिया.

"और, फ्रेडरिक, जैसा तुमने बताया था मैंने बिल्कुल वैसा ही किया. मैं खलिहान के पास तक नहीं गई. मैंने फेरीवालों से खुद बक्से को खोदने के लिए कहा.”

"अरे, केट," फ्रेडरिक ने कहा. "वे बटन सोने के सिक्के थे. तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था."

"लेकिन, फ्रेडरिक, मुझे क्या पता था कि वे सोने के सिक्के थे. तुमने मुझे बताया क्यों नहीं."

केट बहुत दुखी थी. "हमें चोरों का पीछा करना चाहिए और अपने सिक्के वापिस लाने चाहिए," उसने कहा.

"यह एक अच्छा विचार है," फ्रेडरिक ने कहा. "चलो चलते हैं. हाँ, रास्ते में खाने के लिए कुछ ब्रेड और पनीर रख लेना."

केट ने खाना तैयार किया और वे बाहर जाने को तैयार हुए. फ्रेडरिक बहुत तेज़ी से चल रहा था. पहले तो केट ने उसके साथ-साथ चलने की कोशिश की.

लेकिन जब वो ऐसा नहीं कर पाई, तो फिर वो धीरे-धीरे फ्रेडरिक के पीछे चली. "मेरे लिए यही बेहतर है," उसने सोचा. "तब घर वापिस जाते समय मैं आगे रहूंगी."

जल्द ही वो एक पहाड़ी पर पहुंची. वह लगभग पहाड़ी की चोटी पर थी जब एक पनीर का टुकड़ा उसके थैले में से गिर गया. पनीर पहाड़ी से नीचे लुढ़का. "मैंने एक बार इस पहाड़ी पर चढ़ी हूँ," केट ने सोचा, "अब मैं दुबारा फिर से नहीं चढ़ूँगी."

"एक और पनीर का टुकड़ा जाकर पहले पनीर को वापस ला सकता है." फिर उसने दूसरी पनीर के टुकड़े को पहाड़ी से नीचे फेंका. लेकिन दूसरा पनीर पहले पनीर को वापस नहीं लाया. "लगता है उसने अपना रास्ता खो दिया है," केट ने कहा." मैं उसे खोजने के लिए एक तीसरा पनीर भेजूंगी." और फिर उसने दूसरे के बाद एक तीसरा पनीर का टुकड़ा भी पहाड़ी के नीचे लुढ़काया.

जब तीनों पनीर के टुकड़े वापिस नहीं लौटे, तो केट को इतना गुस्सा आया कि उसने चौथे पनीर के टुकड़े को भी पहाड़ी से नीचे फेंक दिया. यह उसका आखिरी पनीर था. फिर केट ने बहुत देर वहां इंतजार किया.

लेकिन पनीर के टुकड़ों के आने का कोई संकेत नहीं मिला. अंत में केट ने कहा, "मैं अब तुम्हारा और इंतजार नहीं करूंगी! तुम चाहो मेरे पीछे दौड़कर आ सकते हो," और वो वहां से आगे चली.

अंत में केट, फ्रेडरिक के पास पहुंची. फ्रेडरिक ने केट का इंतजार करना बंद कर दिया था और वो बहुत भूखा था.

"मुझे खाने को दो," फ्रेडरिक ने कहा.

केट ने उसे कुछ रोटी दी.

"पनीर कहां है?" फ्रेडरिक ने पूछा.

"ओह," केट ने कहा. "वे जल्द ही आते होंगे. उनमें से एक भाग गया था, इसलिए मैंने दूसरों को उसे ढूंढने भेजा है."

"केट," फ्रेडरिक ने कहा. "तुम्हें ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए था."

"अरे प्रिय!" केट ने कहा. "तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया."

रोटी खाने के बाद फ्रेडरिक ने पूछा, "केट, क्या तुमने घर का दरवाजा बंद किया था?"

"नहीं, फ्रेडरिक," केट ने कहा. "तुम्हें मुझे बताना चाहिए था."

"ठीक है," फ्रेडरिक ने कहा, "तुम घर जाओ और यह सुनिश्चित करो कि सब कुछ सुरक्षित है. हाँ, और खाने के लिए कुछ वापस लाना. मैं यहां पर तुम्हारा इंतजार करूंगा." केट घर वापस गई.

उसने छोटे-छोटे नाशपाती से थैला और साइडर से एक जग भरा. उसने दरवाजे के ऊपरी आधे हिस्से को बंद कर दिया, लेकिन उसने दरवाजे के निचले आधे हिस्से के कब्ज़े निकाले.

"अगर मैं दरवाजे को अपने साथ लेकर जाऊंगी तो वो निश्चित रूप से सुरक्षित रहेगा," उसने कहा.

"मैं उसे अपनी पीठ पर लादकर ले जा सकती हूं." उसने अपनी पीठ पर दरवाजा उठाया और फिर अपनी यात्रा शुरू की.

"अगर मैं धीरे-धीरे चलूंगी, तो फ्रेडरिक को आराम का अच्छा मौका मिलेगा." आखिर वो उस जगह पहुंची जहाँ फ्रेडरिक उसकी प्रतीक्षा कर रहा था.

"मैं दरवाजा लाई हूं, फ्रेडरिक," उसने कहा, "यह सुनिश्चित करने के लिए कि वो सुरक्षित रहे."

"ओह, मेरी पत्नी वाकई में चतुर है," फ्रेडरिक ने सोचा.
"अब घर में कोई भी आदमी आसानी से घुस सकता है. पर अब वापस जाने के लिए बहुत देर हो चुकी है. चूंकि तुम दरवाज़ा लाई हो केट, इसलिए तुम्हें ही उसे वापिस लेकर जाना पड़ेगा."

"मैं दरवाज़ा वापिस ले जाऊंगी, फ्रेडरिक," केट ने कहा.
"लेकिन नाशपाती और साइडर का जग बहुत भारी है. मैं उन्हें दरवाजे पर लटका दूंगी. दरवाज़ा उन्हें उठाकर ले जाएगा."

फ्रेडरिक और केट दोनों आगे चले. अंत में वे एक जंगल में घुसे. अँधेरा हो रहा था. वे जंगली जानवरों से सुरक्षित रहने के लिए एक पेड़ पर चढ़ गए. तभी तीन लोग उस पेड़ के नीचे आकर बैठे. उन्होंने वहां पर आग जलाई और फिर कुछ सोने के सिक्कों को अपनी जेब से बाहर निकाला.

"देखो, फ्रेडरिक," केट ने कहा. "यही वो फेरीवाले हैं और ये हमारे ही सोने के सिक्के हैं."

फ्रेडरिक जल्दी से पेड़ के तने से नीचे फिसला. फेरीवालों की पीठ उसके पीछे थी. उसने जल्दी से कुछ पत्थर उठाए और फिर से पेड़ के ऊपर चढ़ गया.

फिर उसने पत्थरों को नीचे फेंका. लेकिन पत्थर, फेरीवालों को नहीं लगे. "तेज़ हवा, पेड़ों से चीड़ के शंकु नीचे फेंक रही है," एक फेरीवाले ने कहा.

केट अभी भी दरवाज़े को उठाए थी.
"फ्रेडरिक," वो फुसफुसाई. "दरवाजा बहुत भारी है. उसे हल्का करने के लिए मुझे नाशपातियों को नीचे गिराना होगा."
"नहीं, केट, अब नहीं," फ्रेडरिक वापस फुसफुसाया. "अगर तुमने ऐसा किया तो चोरों को पता चल जाएगा कि हम यहाँ पेड़ पर बैठे हैं."
"मुझे वो करना ही होगा," केट ने कहा. "क्योंकि वे बहुत भारी हैं." और उसने नाशपातियों का थैला खाली कर दिया.
"देखो, चिड़ियों की बीट गिर रही है," दूसरे फेरीवाले ने कहा.
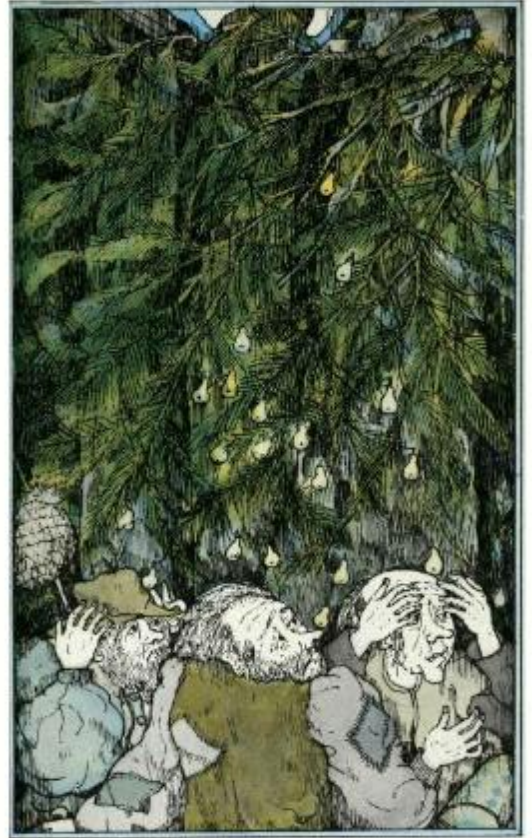
"दरवाजा अभी भी भारी है. मुझे साइडर (पेय) को भी नीचे गिराना होगा," केट ने कहा.

"नहीं, केट. तुम ऐसा नहीं कर सकती हो. नहीं तो फेरीवाले हमें खोज लेंगे."

"लेकिन मुझे यह करना ही होगा," केट ने कहा.

फिर उसने साइडर भी नीचे गिरा दिया.

"ओस गिर रही है. अब लगभग सुबह हो गई है," तीसरे फेरीवाले ने कहा.

"दरवाजा अभी भी बहुत भारी है," केट ने फ्रेडरिक से कहा. "क्या मैं अब उसे भी नीचे गिरा दूं?"

"नहीं! अभी नहीं, केट. तुम इंतजार करो, नहीं तो फेरीवाले हमें खोज लेंगे."

"मैं और इंतजार नहीं कर सकती," केट ने कहा. "मैं दरवाज़े को नीचे गिरा रही हूं."

जोरदार आवाज़ के साथ दरवाजा नीचे आकर गिरा.

"शैतान आ गया है," फेरीवाले चिल्लाए.

फेरीवाले अपनी जान बचाने के लिए वहां से भागे. वो सब कुछ वहीँ छोड़कर चले गए. जैसे ही सूरज बाहर निकला, फ्रेडरिक और केट नीचे उतरे. उन्होंने सोने के सिक्के जमा किए. एक भी सिक्का कम नहीं था.

फिर वे घर की तरफ वापिस लौटे. दोनों ने दरवाज़े का एक-एक सिरा पकड़ा. "मुझे बड़ी भूख लगी है," फ्रेडरिक ने कहा.

"हम जल्द ही खाना खाएंगे," केट ने जवाब दिया. "पनीर के टुकड़े निश्चित रूप से रास्ते में हमारा इंतजार कर रहे होंगे."

और केट की बात सही निकली.

समाप्त